लगा है, लेकिन इन सब बातो के होने हुए भी अन्य क्षेत्रो मे जिस तरह की सुविधाये दी जा रही है, उस तरह की सुविधाये आज भी किसानो को नही मिल रही है। जिस का परिणाम मैं यह देख रहा हूँ कि खेती के काम के लिये, चाहे पढे-लिखे लोग हो या गैर-पढे-लिखे लोग हो, जाना नही चाहते है। पढे-लिखे लोग खेती को छोड कर शहर की तरफ नौकरी के लिये भागे जा रहे है। इतना ही होता तो भी कुछ समझ मे आ जाता, लेकिन जो गैर-पढे लिखे लोग है वे भी खेती मे काम करना पसन्द नही कर रहे है। जो नौजवान है वे शहरो मे जाकर रिक्शा चलाना पसन्द करते है, लेकिन खेती म काम करना पसन्द नही करते है। पढे लिखे लोग चपरासीगीरी पसन्द करेंगे, प्राइमरी की अध्यापकी पसन्द करेंगे, लेकिन खेती म काम करना पसन्द नही करते है। नतीजा यह हो रहा है कि खेती पर आज या तो बूढे जो नौकरी से रिटायर हो गये है कमजोर लोग लगडे लूले, विधवा औरतें, जिनके पास कोई सहारा नही है वे लोग ही खेती मे काम करने के लिये रह गये है। आज जिस चीज पर सारे देश का दारोमदार है, उस की इस तरह से उपेक्षा हो यह विचारणीय विषय है। जब हम खेती पर इतना निर्भर करते है तो उसकी तरफ विशेष ध्यान देना चाहिये, जिससे लोगो की प्रवृत्ति खेती की तरफ जाय, पढे लिखे लोग खेती मे रुचि ले—इस तरह की स्थिति सरकार को पैदा करनी चाहिये।

दूसरी बात गन्ने के सम्बन्ध मे कहना चाहता हूँ। किसान गन्ना पैदा करता है, लेकिन कीमत बहुत कम मिलती है। सूखी लकडी की कीमत ज्यादा है लेकिन गन्ने की कीमत बहुत कम है। इससे किसानो में निरुत्साह उत्पन्न होता है। इससे सबधित पचायत विभाग है लेकिन उसके मामले मे बडी उपेक्षा हो रही है। जिस विकेन्द्रीयकरण की भावना को लेकर हमने पचायतो का निर्माण किया था लेकिन धीरे धीरे हम देखते है कि पचायत सेक्रेटरी और पचायत इन्सपेक्टर के हाथ की वह चीज हो गई है और इसलिए पचायतो का महत्व घटता जा रहा है। अगर वास्तव मे हमे लोकतन्त्र को कायम करना है तो पचायतो को मजबूत करना होगा और इसकी तरफ सरकार का ध्यान अवश्य जाना चाहिए।

— —

15.31 hrs

COMMITTEE OF PRIVATE MEMBERS' BILLS AND RESOLUTIONS

FOURTH REPORT

श्री रामावतार शास्त्री (पटना) मै प्रस्ताव करता हूँ कि यह सभा गैर सरकारी सदस्यो के विधेयको तथा सकल्पो सम्बन्धी समिति के चौथे प्रतिवेदन से, जो 14 जुलाई, 1971 को सभा मे प्रस्तुत किया गया था सहमत है।

MR DEPUTY SPEAKER The question is

"That this House do agree with the Fourth Report of the Committee on Private Members' Bills and Resolutions presented to the House on the 14th July 1971"

The motion was adopted

— —

15.31 hrs

RESOLUTIONS RE RECOGNITION TO PROVISIONAL REVOLUTIONARY GOVERNMENTS OF SOUTH VIETNAM, ETC—*Contd*

MR DEPUTY SPEAKER We shall now take up further discussion on the resolution moved by Shri A K Gopalan on the 2nd July 1971 Two hours were allotted, 10 minutes were taken One hour and 50 minutes are left Mr Gopalan has not finished his speech

SHRI A K GOPALAN (Palghat) I had only just begun that day I will not take more than 10 minutes or so

15.32 hrs.

[SHRI K. N TIWARY *in the Chair*]